

# Duplicate

राष्ट्रीय क्लेशीव विकास प्राधिकार, राष्ट्रीय  
संवन्ध प्राप्ति याद संस्करण 946/02

इंद्रलाल द्वितीय विकास प्राप्तिकार समिनियम 2001 की पारा 37

इन लेखोंने अखण्ड उपनिषद की वैतर्णत प्रस्तावित अध्यना की जिस

। १८मान भवन के परिवर्तन । परिवर्तन के नवयोगे में ५ मनसिक्षिका

४८) वे माद स्थीकृति दी जाती है :-

- (1) नियम की कठोरतम कारबों के कम से कम 15 (पन्द्रह) दिनों के पहले विहित ब्रवर में लिखित को संचित करेंगे।

(2) नियम कारबों की समाप्ति पर अधिकार के बंधीकृत लोगोंका वास्तुवार / शृंखलाईवर हारा विहित-ब्रवर में प्रमाण-पद्ध दें जिनमें से २५ नीली पर्यावरण में कारबं किया गया है।

(3) रोट विस्तार हेतु छोड़ी कार्ड सूचि बट्टी / पट्टीबों को छोड़कर ही आहरदेवारीका नियमित करना होगा।

(4) स्वीकृत वस्त्र यात्रा में दरवाजे/बी रोट छोड़कर रखा है तो छोड़ी पर्याप्त नियुक्त सरकार / प्रांतिकार कों रोट विस्तार, विकल्प हेतु उपलब्ध कराएं।

(5) नस्ते की स्वीकृतिवाल तीन वर्षों के लिए बंध सुनेगी। उनके उपरान्त नियन्त्रानुसार बनुआ का पुनर्मन्त्रण कराना बर्नियाँ होगा।

(6) स्वीकृत नस्ते से दिवसम बाह्य नहीं होगा।

(7) वर्षन यात्रा की स्थानांक १२५.११.२०१३ (या जारी होने के बायेक ने दरवाजे से स्वीकृति प्राप्त की है तो कारब्रवर हेतु विकास अधिकार विविधन की दाता ३८ के बनारंब बच्च यात्रा की स्वीकृति रद्द कर दी जाएगी।

(8) बन्ध कोई वार्ता नहीं।

三

०५.०२.३७  
कार्यपालक अभियन्ता  
१० क्षे० वि० प्रा०, राँची

४०८ ने करितारपा

11210.0

१०० वा उपर्युक्त विकल्पों में से एक का निर्वाचन करें।

स्थानकृति की तिथि के 6 महीने के अंदर पूर्व से निर्मित संरचना जो अधिकारित भाग के अधिकारित है उसे